भोपाल गैस त्रासदी

राहत एवं पुनर्वास

एक रपट
3 दिसंबर 2001

मध्य प्रदेश शासन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग

28.221
BG.

प्रभावित एवं अप्रभावित क्षेत्र में पेट की बीमारी की स्थिति

समयावधि एवं सर्वे सं.	अत्यंत प्रभावित क्षेत्र	सामान्य प्रभावित क्षेत्र	कम प्रभावित क्षेत्र	कुल प्रभावित क्षेत्र	अप्रभावित क्षेत्र
(जनवरी 96 से जून 96)-I	7.16	3.85	8.19	6.05	2.36
(जुलाई 96 से जनवरी 97)-II	4.03	4.30	7.02	5.00	2.79
(फरवरी 97 से जुलाई 97)-III	4.29	5.68	11.21	6.60	3.57
(अगस्त 97 से दिसम्बर 97)-IV	4.02	3.56	8.71	5.01	2.07
(जनवरी 98 से जुलाई 98)-V	5.59	3.90	10.25	5.99	2.23
(जुलाई 98 से दिसम्बर 98)-VI	3.93	3.64	7.60	4.77	1.98
(जन. 99 से जून 99)-VII	4.90	2.14	9.45	4.76	1.75
(जुलाई 99 से दिसम्बर 99)-VIII	5.52	2.65	7.18	4.47	1.69
(जन. 2000 से जून 2000)-IX	4.93	3.32	7.98	5.02	1.73
(जुलाई 2000 से दिसम्बर 2000)-X	4.47	3.07	6.59	4.32	1.64
(जनवरी 2001 से जून 2001)-XI	3.64	2.69	11.15	4.73	1.38

इन सर्वेक्षणों द्वारा एकत्रित जानकारी के आधार पर यह देखा गया है कि सामान्य बीमारियों की दर प्रभावित क्षेत्र में अप्रभावित क्षेत्र की अपेक्षा लगभग दुगनी है एवं यह भी देखा गया है कि अत्यंत प्रभावित क्षेत्र में लोग अन्य प्रभावित क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक बीमार रहते हैं। श्वसन तंत्र से संबंधित बीमारियों को देखा जाये तो प्रभावित क्षेत्र में श्वसन तंत्र की बीमारियाँ, अप्रभावित क्षेत्र की अपेक्षा लगभग चार गुने से भी अधिक हैं। आँखों से संबंधित बीमारियाँ भी प्रभावित क्षेत्र में अप्रभावित क्षेत्र की अपेक्षा अधिक हैं। इसी प्रकार पेट से संबंधित बीमारियाँ प्रभावित क्षेत्र में अप्रभावित क्षेत्र की अपेक्षा अधिक हैं। यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि प्रभावित क्षेत्र में बीमारियों की दर 1996 की अपेक्षा धीरे-धीरे कम होती जा रही है पर अप्रभावित क्षेत्र की अपेक्षा अब भी कई गुना अधिक है।

जन्म एवं मृत्यु संबंधी जानकारी :-

जनवरी 1986 से प्रिगनेन्सी-आउटकम से संबंधित आँकड़ों को एकत्र करने हेतु एक प्रोफार्मा का प्रयोग आई.सी.एम.आर. द्वारा प्रारंभ किया गया था। वर्तमान में उसी प्रोफार्मा पर पंजीकृत परिवारों से वार्षिक फालोअप के आधार पर आंकड़े एकत्रित किये जा रहे हैं। अत्यंत प्रभावित क्षेत्रों में जन्म दर अपेक्षाकृत अन्य क्षेत्रों से यहाँ तक कि अप्रभावित क्षेत्र से भी अधिक पायी गयी है। वर्ष 1985 में गर्भपात की दर गैस प्रभावित महिलाओं में अत्यंत अधिक पायी गयी थी लेकिन यह धीरे-धीरे अप्रभावित क्षेत्र के बराबर हो गयी है। प्रारंभ में गैस प्रभावित जनसंख्या में मृत्युदर (22/1000) जो कि अप्रभावित क्षेत्र (2.3/1000) की अपेक्षा काफी अधिक थी। यह स्थिति वर्ष 1990 तक बनी रही, लेकिन उसके पश्चात् धीरे-धीरे मृत्युदर कम होते-होते अप्रभावित क्षेत्र के बराबर हो गयी थी। वर्ष 2000 के आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि प्रभावित क्षेत्र की मृत्यु दर 7.7/1000 जो राष्ट्रीय मृत्युदर 7.2/1000 एवं अप्रभावित क्षेत्र की मृत्यु दर 6.94/1000 से अधिक पायी गई है।

जनापादिक अध्ययन में वर्ष 1996-98 में यह पाया गया है कि टी.बी. की बीमारी गैस प्रभावित क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक

है, लेकिन यह राष्ट्रीय स्तर के लगभग समान है।

भोपाल के गैस पीड़ितों में नेत्र रोग से संबंधित दीर्घकालिक अध्ययन